कक्षा नौवीं विषय हिंदी (व्याकरण कार्य)

अनुच्छेद - पुस्तकालय के लाभ

पुस्तकालय ज्ञान का भंडार है जहाँ हम विभिन्न महापुरुषों, विद्वानों, आलोचकों, साहित्यकारों, लेखकों, समाज सुधारकों आदि के अनुभवों और विचारों को पढ़कर अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकते हैं। निस्संदेह जिस प्रकार जीवित रहने के लिए शुद्ध हवा, पानी, भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार ज्ञान-पिपासा को शांत करने का उत्तम आहार पुस्तकें हैं। इनकी उपयोगिता को समझते हुए ही आज विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थानों, गाँवों, कालोनियों आदि में पुस्तकालय खोले जाते हैं। पुस्कालयों में पुस्तकों के अलावा विभिन्न विषयों की मैगज़ीनें, समाचार-पत्र, एनसाइक्लोपीडिया आदि भी उपलब्ध रहते हैं। हमें पुस्तकों के साथ छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। जिस पुस्तक को जहाँ से लें, उसे पढ़कर वहीं रख देना चाहिए। आज अनेक पुस्तकालयों में इंटरनेट की भी सुविधा है जिससे विद्यार्थी अपनी आवश्यकतानुसार कोई भी महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। समाज में एक ऐसा भी वर्ग होति है जो मँहगी पुस्तकें नहीं खरीद सकता, उनके लिए ही तो पुस्तकालय किसी वरदान से कम नहीं है। अतः यदि पुस्तकालय की इतनी उपयोगिता है तो हमें वहाँ बिना शोरगुल किए, चुपचाप शांतिपूर्वक बैठकर इससे अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

शिक्षा विभाग पंजाब

लेखन एवं प्रस्तुति :- सुनीता चोपड़ा

हिंदी शिक्षिका

स. क. सी. से. स्मार्ट स्कूल खुर्दपुर

ज़िला जालंधर

शोधक :- पंकज माहर

ज़िला रिसोर्स पर्सन हिंदी

स. मॉ. सी. से. स्मार्ट स्कूल लाडोवाली रोड़

ज़िला - जालंधर

Scanned with CamScanner

कक्षा नौवीं विषय हिंदी

अनुच्छेद - मोबाइल फोन और विद्यार्थी

आज मोबाइल फोन सभी की ज़िंदगी का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। मोबाइल ने हर क्षेत्र में क्रांति ला दी है। अपने विभिन्न इस्तेमालों के कारण मोबाइल फोन काफी प्रचलित हो चुका है। समाज का हर वर्ग अपनी-अपनी आवश्यकतानुसार इससे लाभ उठा रहा है। विद्यार्थी वर्ग भी इससे अछूता नहीं है। स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय- हर स्तर के विद्यार्थी की पहली पसंद मोबाइल बन चुका है। आज विद्यार्थी मोबाइल पर इंटरनेट की मदद से कहीं भी बैठे वांछित सामग्री को डाउनलोड करके और उसका प्रिंट लेकर अपनी पढ़ाई को गति प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त देश-विदेश के विभिन्न कॉलेजों में प्रवेश, प्रतियोगिताओं, परीक्षा-परिणामों, नौकरी आदि से संबंधित भरपूर जानकारी वह इसी से एकत्रित करता है किन्तु विद्यार्थियों का एक वर्ग ऐसा भी है जो इसका दुरुपयोग करता है। ऐसे विद्यार्थी आपस में घंटों बेकार में गप्पें हाँकने, ज़रूरत से ज़्यादा मैसेज भेजने, वीडियो गेम्ज़ खेलने, चित्र खींचने और नये-नये मोबाइल खरीदने और उनकी ही बातें करते रहने में अपना समय बर्बाद करते हैं। अतः ऐसे विद्यार्थियों को इसकी उपादेयता समझनी चाहिए और इसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

शिक्षा विभाग पंजाब

लेखन कार्य एवं प्रस्तुति :-

सुनीता चोपड़ा, हिंदी शिक्षिका

स. क. सी. से. स्मार्ट स्कूल खुर्दपुर

ज़िला जालंधर

शोधक :-

पंकज माहर, ज़िला रिसोर्स पर्सन हिंदी

स. मॉ. सी. से. स्मार्ट स्कूल लाडोवाली रोड़

ज़िला - जालंधर

Scanned with CamScanner